



17-1-281

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 523]

मई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 17, 1980/कार्तिक 26, 1902

No. 523] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 17, 1980/KARTIKA 26, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न बो जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### पर्दटन और नागर विमान संचालन

प्रधिकार

मई दिल्ली, 17 नवम्बर, 1980

काठ आठ 895 (अ) — प्रत्यराष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण प्रधिकार, 1971 (1971 का 43) की धारा 12 की उपधारा (1) के बंध (ग) के साथ पठनीय धारा 36 द्वारा प्रदत्त प्रक्रियाओं का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रत्यराष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण को प्रदान की गयी पूंजी की भावतों का निर्धारण करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रधारतः—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभः—(1) इन नियमों को प्रत्यराष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण (प्रारंभिक पूंजी की शर्तें) नियम, 1980 कहा जाएगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. सरकारी पूंजी की भीमा :—दिनांक 17 मार्च 1980 की शिक्षा सूचना सं०क्षा०आ० 906 द्वारा घोषित किया गया 18 करोड़ रुपये का अनावतों पूंजीगत व्यय केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकरण की प्रदान की गयी पूंजी होगी।

3. प्रारंभिक पूंजी का व्यवस्थापन :—नियम 2 में विविध सरकारी पूंजी के 50 प्रतिशत भाग को इक्विटी पूंजी समझा जाएगा तथा शेष 50 प्रतिशत को ऋण पूंजी।

4. ऋण पूंजी की वापस अवायी :—प्राधिकरण ऋण पूंजी की अवायी आर ब्रावर वार्षिक किश्तों में करेगा जो वित्तीय वर्ष 1983-84 से आरंभ होंगी तथा वित्तीय वर्ष 1986-87 में समाप्त होंगी।

5. ऋण पूंजी पर व्याज की देयता :—प्राधिकरण को ऋण पूंजी पर 1-4-72 से 7½% वार्षिक की दर से प्रति वर्ष व्याज देना होगा।

6. व्याज की अवायी की विधि :—31-3-80 तक संचित हुए व्याज की अवायी वित्तीय वर्ष 1980-81 से 1984-85 तक के दोरान पांच ब्रावर वार्षिक किश्तों में की जाएगी और 1-4-80 से आरंभ हुई अवधि के व्याज की अवायी वित्तीय वर्ष 1980-81 के आरंभ होने से लेकर ऋण की सात किश्तों में पूर्ण रूप से वापस अवायी होने तक ब्रावर ऋण पूंजी पर प्रति वर्ष की जाएगी।

7. विलम्ब के लिए दंडः—मूल अवाया व्याज की किसी भी किश्त की वापस अवायी करने में किसी भूक अवाया विलम्ब के लिए प्राधिकरण से सामान्य दर से 1% प्रधिक दंडात्मक व्याज वसूल किया जाएगा।

8. रियायतें :—केन्द्रीय सरकार प्राधिकरण की वित्तीय स्थिति व्यास में रखते हुए, ऋण पूंजी की वापस अवायी में ऐसी मौहूलत अवधा इस संबंध में ऐसी रियायतें प्रदान कर सकती हैं जो वह आवश्यक समझे।

[सं ५०वी २४०११/२५/७३-५०५०]

पन्द्रहवीं अनुबंधी, संयुक्त संविवेकी

**MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 17th November, 1980

**S.O. 895(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 36 read with clause (c) of Sub-Section (1) of Section 12 of the International Airports Authority Act, 1971 (43 of 1971), the Central Government hereby makes the following rules, determining the terms and conditions of the capital provided by the Central Government to the International Airports Authority, namely :—

1. **Short title and Commencement.**—1. These rules may be called the International Airports Authority (Terms and Conditions of Commencing Capital) Rules, 1980.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Extent of the Government Capital.**—The non-recurring capital expenditure of 18 crores of rupees declared by notification No. S.O. 906 dated 17th March, 1980 shall be the capital provided by the Central Government to the Authority.

3. **Gearing of the Commencing Capital.**—Fifty per cent of the Government capital specified in rule 2 shall be treated as equity capital and the remaining fifty percent as loan capital.

4. **Repayment of the Loan Capital.**—The Authority shall repay the loan capital in four equal annual instalments commencing from the financial year 1983-84 till the end of the financial year 1986-87.

5. **Liability to pay interest on loan capital.**—The Authority shall be liable to pay interest annually the loan capital with effect from 1-4-72 at the rate of 7½ per cent per annum.

6. **Mode of payment of interest.**—The interest accumulated upto 31-3-80 shall be paid in five equal annual instalments during the financial years 1980-81 to 1984-85 and the interest for the period commencing from 1-4-80 shall be paid on the outstanding loan capital annually, commencing from the financial year 1980-81 till the loan is completely repaid in seven instalments.

7. **Penalty for delay.**—A penal rate of interest 1 per cent above the normal rate shall be chargeable from the Authority for any default or delay in the repayment of any instalment of the principal or interest.

8. **Concessions.**—The Central Government may, having regard to the financial position of the Authority, grant such moratorium on repayment of the loan capital and such concessions in this regard as it considers necessary.

[No. AV. 24011/25/73-AA]  
C. M. CHATURVEDI, Jt. Secy.